[This question paper contains 6 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE
14/5/18
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4424 **H/C**

Unique Paper Code : 12131401

Name of the Paper : Indian Epigraphy, Paleography and Chronology
भारतीय अभिलेखशास्त्र, पुरालिपिशास्त्र एवं काल-गणना

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS – Core**

Semester : IV

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. This question paper contains **10** questions.
3. **All** questions should be answered.
4. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. इस प्रश्न-पत्र में कुल 10 प्रश्न हैं ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

4. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

भाग 'क' / Part 'A'

1. अभिलेख का अध्ययन किस प्रकार महत्त्वपूर्ण है ? (9)

How is the study of inscription important?

अथवा / OR

अभिलेखों के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए ।

Describe different kinds of Inscriptions.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5+5=10)

Write notes on any **two** of the following :

लेखक, कर्णिन्, भूर्ज-पत्र, ताम्र-पत्र ।

भाग 'ख' / Part 'B'

3. ब्राह्मी-लिपि का भारतीय उत्पत्ति से सम्बन्धित सिद्धान्त का क्या स्वरुप है ? (9)

What are the features of the theory of Indian origin of the Brahmi Script?

अथवा / OR

भारत में लेखन-कला की प्राचीनता पर प्रकाश डालिए ।

Through light on the antiquity of writing in India.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5+5=10)

Write notes on any **two** of the following :

डी. सी. सरकार, ब्यूलर, गौरीशंकर हीराचन्द ओझा, प्रिंसेप, फ्लीट ।

भाग 'ग' / Part 'C'

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : (5+5=10)

Translate any **two** of the following :

(i) इयं धंमलिपी देवानंप्रियेन प्रियदसिना राज्ञा लेखापिता इध न किंचि जीवं आरभित्पा प्रजूहितव्यं न च समाजो कतव्यो बहुकं हि दोसं समाजम्हि पसति देवानंप्रियो प्रियदसि राजा अस्ति पि तु एकचा समाजा बहुमता देवानंप्रियस प्रियदसिनो राज्ञो ।

(ii) ...क्षिप्ताश्म-वृक्ष-गुल्म-लता-प्रतानं आ नदीतलादित्युद्घाटितमासीत्
चत्वारि हस्तशतानि विशदुत्तराण्यायतेन एतावन्त्येव विस्तीर्णेन पञ्च-
सप्तति-हस्तानवगाढेन भेदेन निस्सृत-सर्व्वतोयं मरु-धन्वकल्पमतिभृशं
दुदर्शनमासीत् ।

(iii) तातेन भक्ति-नय-विक्क्रम-तोषितेन
यो राज-शब्द-विभवैरभिषेचनाद्यैः।
सम्मानितः परम-तुष्टि-पुरस्कृतेन
सोऽयं ध्रुवो नृपैरप्रतिवार्य-वीर्यः ।।

(iv) आ विंध्यादाहिमाद्रेर्विरचित-विजय-तीर्थ-यात्रा प्रसंगा-
दुद्ग्रीवेषु प्रहर्त्ता नृपतिषु विनमत्कन्धरेषु प्रसन्नः ।
आर्यावर्तं यथार्थं पुनरपि कृतवान्म्लेच्छ-विच्छेदनाभि-
र्देवः शाकंभरीन्द्रो जगति विजयते वीसल-क्षोणिपालः ।।

6. चन्द्र का महंरौली लौह-स्तम्भ अभिलेख किस प्रकार महत्वपूर्ण है ? (5)

How the Mehrauli Iron Pillar inscription of Chandra is important?

अथवा / OR

समुद्रगुप्त के व्यक्तित्व पर एरण अभिलेख किस प्रकार प्रकाश डालता है ?

How does the Eran inscription present personality of Samudragupta?

7. वीसलदेव के दिल्ली-टोपरा स्तम्भ लेख **अथवा** अशोक के सारनाथ लघु शिलालेख की विषय-वस्तु का विवरण प्रस्तुत कीजिए । (5)

Present the subject matter of the Delhi&Topra Pillar Inscription of Visaladeva **OR** The Sarnath minor rock inscription of Ashoka.

8. **निम्नलिखित में से किसी एक पर लघु टिप्पणी लिखिए :** (4)

Write short notes on any **one** of the following :

धर्मलिपि, सुपाथाय, एकार्णवभूतायाम्, मार्गे लोकविरूद्ध एव विजनः ।

भाग 'घ' / Part 'D'

9. काल-निर्धारण के लिए कौन-कौन सी पद्धतियों और सिद्धान्तों का प्रयोग किया जाता है ? (9)

Which system and theories are adopted to decide Chronology?

अथवा / OR

अभिलेखों में तिथि के अंकन के लिए किस प्रकार की पद्धति का प्रयोग प्राप्त होता है ?

What type of dating system is found used in the Inscriptions?

10. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4)

Write a short note on any **one** of the following :

शक संवत्, विक्रम संवत् ।

Saka era, Vikrama era.

[This question paper contains 6 printed pages.]

BESHBANDHU COLLEGE
19/5/18
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No......

Sr. No. of Question Paper : 4637 **HC**

Unique Paper Code : 12131402

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS**

Semester : IV

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer **all** questions.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित पद्यों का अनुवाद कीजिए :- (5)

Translate the Following verses :-

(क) मनुष्यताख्या गिरिराजकन्या तपश्चिरिष्णुः पुनरुत्प्रयाति ।
अपर्णतामेह्यकुतो मुखीनां त्वरस्व तां प्रीणयितुं शिवस्त्वम् ।।

अथवा / OR

वैदेशिकानां क्षपणाय भूमीभृतां सितानां पिशिताशनानाम् ।
या निर्मिता विश्वसृजा प्रयत्नात् सौदामनीव द्युतलात् पतन्ती ।।

(ख) अज्ञान्-भस्मावरणानि धूत्वा मनः स्थितां चेतयत स्फुल्लिङ्गान् ।
उद्दीपित-स्वत्व-कृशानुनाऽऽशु भस्मीकुरुध्वं दृढ-रूढ-रूढीः ।।

अथवा / OR

मद्यं हि सर्वस्व-हरं नराणां कुटुम्ब-नाशोऽपि च निश्चितोऽस्ति ।
निपीय मद्यं गृहमागतेभ्यः कदापि नान्नं परिवेषणीयम् ।।

2. निम्नलिखित पद्यों की व्याख्या कीजिए : (7)

Explain the following verses :

(क) पादद्वयीचारिशरीरधारिन् प्राणिन् नमस्त्वं ननु पूरूषोऽसि ।
विमर्शरूपे मणिदर्पणेऽस्मिन् प्रकाशितस्त्वं हि सदाशिवोऽसि ।।

अथवा / OR

सा कल्पवल्ली वसुधातलस्य सा कामधेनुर्मनुजान्वयस्य ।
चिन्तामणिर्भारतभाग्यलक्ष्म्या लक्ष्मीर्यथार्थार्थयते स्म संज्ञाम् ।

(ख) वयं सुपुत्रः प्रिय-मातृभूमेः स्व-बान्धावैरेव बहिष्णताः स्मः ।
उद्धर्तुमस्मांश्चिर-दास्य-पङ्कान्नास्मदृते कोऽपि परः समर्थः ।।

अथवा / OR

सर्वाण्यपत्यानि सुशिक्षितानि भवेयुरेवेत्यवधारणीयम् ।
शिक्षैव चात्मोन्नति-हेतुरस्ति शिक्षां विना ते पशुभिः समानाः ।।

3. 'स्वातन्त्र्यसम्भवम्' महाकाव्य के समसामयिक युगबोध की समीक्षा कीजिए । (8)

Critically examine the understanding of contemporary consciousness as depicted in 'Swatantryasambhavam'.

अथवा / OR

'भीमायनम्' के सामाजिक सन्देश का मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate the social message of 'Bhimayanam'.

4. शतपर्विका कथा में वर्णित सामाजिक सन्देश की समीक्षा कीजिए । (5)

Give an analysis of the social Message as described in Shataparvika story.

अथवा / OR

अधोलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

Explain the following passages with reference to their contexts :

अधिशय्यं रुदती शयाना रमा मनसा चिन्तयति पाषाणेऽपि राजतेऽग्निः। अस्मत्पितुर्मानसेऽपि वात्सल्येनावश्यमेव भवितव्यम्। तदहं प्रकटीकरिष्यामि। यदि प्रयत्नेऽस्मिन् प्राणा अपि मे विनश्यन्ति तर्हि न कापि चिन्ता। इदानीं पार्वत्या इव मनसि मे निर्बन्धो जातः। अहमेव भविष्यामि उताहो पितृद्वेषः सुतां प्रति। दैनन्दिनावमानात् तु वरं मरणमेव।

5. शार्दूलशकटम् में निरूपित श्रमिकों की दशा का वर्णन कीजिए। (8)

Describe the condition of workers as depicted in 'Shardulshakatama'.

अथवा / OR

अधोलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

Explain the following passages, writes reference to their contexts :

किमापतितम् अधुना? धनं जयति सर्वत्र न विद्या न चारित्रगुणः। अस्माभिर्लब्धा महात्मसदृशाः पथिप्रज्ञा नेतृवरसुभाषतुल्या वीरनायकाः। तथापि तिष्ठन्ति भारतवासिनः अन्यायाचलायतने सेवमाना यथा पूर्वं तथा परम्। क उपायो विद्यते वाञ्छनीयप्राप्तेः? आयाति तमिस्राच्छन्ना रजनी नाम्बरे राजन्ते तारकाश्चन्द्रो वा। दीपशिखा च निर्वापिता प्रभञ्जनेन। तथापि परिवहणकर्मिणो न यान्तु पादमेकं सन्मार्गं परित्यज्य कदापि।

6. अधोलिखित पद्यों में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **two** of the following verses :

(क) सज्जनमैत्री सन्ततं स्नेहभरं पुष्णाति।
क्रमशो वृद्धिमुपागता दोषानपि मुष्णाति।।
दोषानपि मुष्णाति निर्गुणे गुणमाधत्ते।
निर्वेदं निर्वास्य मनसि सममोदं दत्ते।।
सत्कार्येषूत्साहवर्धिनी जडताजैत्री।
स्नेहसारविश्रम्भसन्तता सज्जनमैत्री।।

अथवा / OR

स्वयं न्यायपीठे प्रभुत्वं गृहीत्वा
परस्वे स्वतां निर्णयन्तः क एते।
परेषां कृते वारुणीं वर्जयन्तः
सुराभाजनं शोषयन्तः क एते।।

(ख) वद वेदगिरां गुरुता क्व गता
क्व तथागतवाक्करुणापहता
इतिहासगता तव नैतिकता
परिहासकथेव वृथा भविता।।

अथवा / OR

गतिविकला विज्ञान-विजडिता
सन्त्रस्ता रोदिति मानवता,
निर्मिति-बीजं भूमौ वपत्,
सौख्यं स्वयं फलिष्यति रे।।
तिमिरं स्वयं गमिष्यति रे।।

7. 'ब्रूहि कोऽस्मिन् युगे कालिदासायते' **अथवा** 'धीवरगीतिः' काव्य की समीक्षा कीजिए। (6)

Give a review of either 'Brūhi koṣmin yuge kalidāsāyate' or 'Dhīvargitiḥ'.

8. आधुनिक संस्कृतसाहित्य के प्रमुख रचनाकारों का सर्वेक्षण प्रस्तुत कीजिए ? (10)

Present a survey of important writers of Modern Sanskrit Literature.

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखिए : (4×4=16)

Write short notes on any **four** of the followings :

(क) हरिदास सिद्धान्त वागीश Haridash Siddhant Vagisha

(ख) मूलशंकर माणिकलाल याज्ञिक Mulshankar Maniklal Yagyik

(ग) महालिंग शास्त्री Mahaling Shastri

(घ) लीलाराव दयाल Lilarao Dayal

(ङ) यतीन्द्र विमल चौधुरी Yatindra Vimal Chaudhuri

(च) वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य Virendra kumar Bhattacharya.

[This question paper contains 4 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4681 **HC**

Unique Paper Code : 12131403

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS**

Semester : IV

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers any **five** questions.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. (क) अवेस्ता व वैदिक धर्म की समानताओं का विवेचन कीजिए। (7½)

Discuss the similarities between Vedic and Avestan religions.

(ख) निम्नलिखित **तीन** संस्कृत शब्दों के समतुल्य भारोपीय शब्द लिखिए : (7½)

Give equivalents of any **three** of the following words in Indo-European languages :

दमस्, अहम्, उषस्, माता, √श्रु, जानु

2. पंचतन्त्र के पश्चिम एशियाई अनुवादों का परिचय देकर पंचतन्त्र की मध्यएशिया से यूरोप तक की यात्रा का निरूपण कीजिए। (15)

Discuss the west Asian versions of the Pañcatantra & describe its journey into Europe.

3. यूरोप में गीता के प्रचार व प्रसार पर निबन्ध लिखिए। (15)

Write an essay on the spread of the Gītā in Europe.

4. रामायण ने दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों के साहित्य व संस्कृति को किस प्रकार प्रभावित किया है ? (15)

How has the Rāmāyaṇa influenced literature & culture in South East Asian Countries?

5. भारतीय चित्रकला के प्रेरक स्त्रोत के रूप में संस्कृत वाङ्मय का निरूपण कीजिए। (15)

Discuss the role of Sanskrit literature as the source of Indian Painting.

6. संस्कृत साहित्य व संस्कृति के प्रति श्रद्धा व तिरस्कार दोनों दृष्टियाँ यूरोप में रही है। विवेचन कीजिए। (15)

Europe has shown both contempt & appreciation for Sanskrit literature & culture. Discuss.

7. निम्नलिखित में से **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : (7½×2=15)

Write notes on any **two** of the following :

(क) दारा शिकोह की उपनिषदों के प्रति दृष्टि

Dārāśikoh on the Upaniṣad

4681

(ख) जापान में संस्कृत अध्ययन

Sanskrit studies in Japan.

(ग) फ्रांस में संस्कृत अध्ययन

Sanskrit studies in the France.

(7)

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

16/5/18

This question paper contains 3 printed pages. Roll No. .....

Sr. No. of Question Paper : 2172 H-10

Unique Paper Code : 2131403

Name of the Paper : Indian Epigraphy, Palaeography and Chronology
(अभिलेखशास्त्र, पुरालिपिशास्त्र एवं कालनिर्धारण पद्धति)

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit – Fyup

Semester : IV

Duration : 3 Hours Max. Marks: 75

(Write your Roll no. on the top immediately on receipt of this question paper)
(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : Answers may be written *either* in **Sanskrit** *or* in **Hindi** or in **English**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत, हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

This question paper contains **10** questions.
All questions should be answered.

इस प्रश्न-पत्र में कुल **10** प्रश्न हैं।
सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग 'क' (Part 'A')

1. अभिलेखों का महत्त्व बताते हुए इतिहास निर्माण में अभिलेख किस प्रकार सहायक हैं स्पष्ट कीजिए। (8)
Describe the importance of Inscriptions and Explain how Inscriptions are important factor in making history.

अथवा

(Or)

विषयवस्तु के आधार पर अभिलेखों के कितने प्रकार हैं ?
Describe types of the Inscriptions according to the subject matter ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लघु टिप्पणी लिखिए : (5+5)
Write short notes on any *two* of the following:

दान-पत्र, प्रशस्यात्मक, पुरातत्त्व, अभिलेखशास्त्र ।

भाग 'ख' (Part 'B')

3. भारत में लेखनकला की प्राचीनता पर प्रकाश डालिए। (8)
Illustrate antiquity of the art of writing in India.

अथवा *(Or)*

प्राचीन भारतीय लिपियों की उत्पत्ति व प्रकार का विवेचन कीजिए।
Describe origin and kinds of ancient Indian Scripts.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4+4)
Write short notes on any *two* of the following:

प्रिन्सेप, दिनेशचन्द्र सरकार, ब्यूलर, कनिंघम।

भाग 'ग' (Part 'C')

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : (5+5)
Translate any *two* of the following:

(i) गिरेरूर्जयतः सुवर्णसिकतापलाशिनीप्रभृतीनां नदीनाम् अतिमात्रोद्वृत्तैर्वेगैः
सेतुम....[क्रि]यमाणानुरूपप्रतिकारमपि गिरिशिखरतरुतटाट्टालकोपतल्प-
द्वारशरणोच्छ्रयविध्वंसिना युगनिधनसदृशपरमघोरवेगेन वायुना प्रमथितसलिलविक्षिप्तजर्ज्जरीकृतावयव...क्षिप्ताश्मवृक्षगुल्मलताप्रतानं आ
नदीतलादित्युद्घाटितमासीत् ।

(ii) खिन्नस्येव विसृज्य गां नरपतेर्गामाश्रितस्येतरां
मूर्त्या कर्म्मजितावनिं गतवतः कीर्त्या स्थितस्य क्षितौ।
शान्तस्येव महावने हुतभुजो यस्य प्रतापो महान्
नाद्याप्युत्सृजति प्रणाशितरिपोर्य्यत्नस्य शेषः क्षितिम् ॥

(iii) लीलामन्दिर सोदरेषु भवतु स्वान्तेषु वामभ्रुवां
शत्रूणां तु न विग्रहक्षितिपते न्याय्योऽत्र वासस्तव
शङ्का वा पुरुषोत्तमस्य भवतो नास्त्येव वारांनिधे-
न्निर्मथ्यापहृतश्रियः किमु भवान् क्रोडे न निद्रापितः ॥

(iv) इयं धंमलिपी देवानं प्रियेन प्रियदसिना राञा लेखापिता इध न किं चि जीवं
आरभित्पा प्रजूहितव्यं न च समाजो कतव्यो बहुकं हि दोसं समाजम्हि पसति
देवानंप्रियो प्रियदसि राजा अस्ति पि तु एकचा समाजा साधुमता देवानं-
प्रियस प्रियदसिनो राञो॥

6. महरौली लौहस्तम्भ के चन्द्र कौन हैं ? स्पष्ट कीजिए। (8)
Discuss who is 'Chandra' of the Mehrauli Iron Pillar inscription.

अथवा

(Or)

रुद्रदामन् के जूनागढ़ अभिलेख का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
Discuss the importance of tha Junagardh Inscription of Rudradaman.

7. अशोक के गिरनार प्रस्तर (प्रथम) अभिलेख अथवा बीसलदेव के दिल्ली-टोपरा अभिलेख की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए। (5)
Illustrate the contents either of Girnara Rock Edict -1 of Ashoka's *OR* of the Delhi-Topra Pillar Inscription of Bisaladeva .

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लघु टिप्पणी लिखिए : (3+3)
Write short notes on any *two* of the following:

सुदर्शन, सप्त सिन्धु, समाज, संघ।

भाग 'घ' (Part 'D')

9. प्राचीन भारत में प्रयुक्त काल-निर्धारण पद्धति का विवरण दीजिए। (8)
Describe the system of chronology being used in ancient India.

अथवा

(Or)

अभिलेखों में वर्णित तिथ्यंकन-पद्धति का परिचय दीजिए।
Present introduction of the dating system used in the Inscriptions.

10. निम्नलिखित में से किन्हीं एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4)
Write short note on any *one* of the following:

विक्रम संवत्, गुप्त संवत्, शक संवत्, मौर्य संवत्।